SBI Life INSURANCE | Celebrate life

STUDY MATERIAL
Page-01

FRIDAY 15 FEBRUARY

Deptt. of Economics,
M.V. College, Buxar
AMRITA KUMARI, Asst. Prof.

B.A. (Hons.) Part-I

Paper-I (Micro Economics)

TOPIC

रिकार्डो का लगान सिद्धान्त (Ricardian Theory of Rent)

डेविड रिकार्डो द्वारा प्रतिपादित लगान सिद्धान्त को 'लगान का प्रतिबिंत सिद्धान्त' भी कहा जाता है। रिकार्डो के अनुसार, लगान एक विभेदक आधिक्य है जो केवल भूमि ही प्राप्त कर सकती है, अन्य साधन नहीं क्योंकि भूमि में कुछ ऐसी विशेषताएँ होती हैं जो अन्य साधनों में नहीं होती यथा- निःशुल्क साधन, अगतिशीलता, निम्नता, सीमितता इत्यादि।

मान्यताएँ -

* यह सिद्धान्त दीर्घकाल की मान्यता पर आधारित है
* प्रत्येक देश में एक लगान रहित अथवा सीमान्त भूमि होती है।

SBI Life INSURANCE | Celebrate life

With Us, You're Sure

02

MONDAY 18 FEBRUARY

* परिमाणात्मक एवं गुणात्मक दृष्टिकोण से भी भूमि सीमित होती है।
* भूमि में कुछ मौलिक एवं अविनाशी शक्तियाँ पायी जाती हैं।
* लगान केवल भूमि से उत्पन्न होता है।
* देश में भूमि की जुताई अवरोही क्रम में होती है।
* भूमि पर लगान विभेदक उर्वरता एवं विभेदक स्थिती कारण उत्पन्न होता है।
* कृषि में ह्रासमान प्रतिफल नियम क्रियाशील होता है।
* देश की जनसंख्या निरन्तर बढ़ती रहती है।

रिकार्डो के अनुसार लगान सापेक्षिक लाभ या भेदात्मक आधिक्य है। सभी भूमियाँ एक समान नहीं होती हैं उनमें उर्वरता या स्थिती या दोनों की दृष्टि से अन्तर या भेद होता है। इस अन्तर या भेद के कारण श्रेष्ठ भूमियों को निम्न कोटि की भूमियों की तुलना में लाभ या अतिरेक प्राप्त होती है, इसलिए इसे भेदात्मक आधिक्य' कहा जाता है

'भेदात्मक आधिक्य' या 'लगान का अध्ययन' तीन भागों में किया जाता है —

(1) विस्तृत खेती के अंतर्गत 'भेदात्मक आधिक्य या लगान',

(2) गहरी या गहन खेती के अंतर्गत 'भेदात्मक आधिक्य' या 'लगान',

(3) भूमि की स्थितियों में अन्तर के कारण 'भेदात्मक आधिक्य' या 'लगान'।

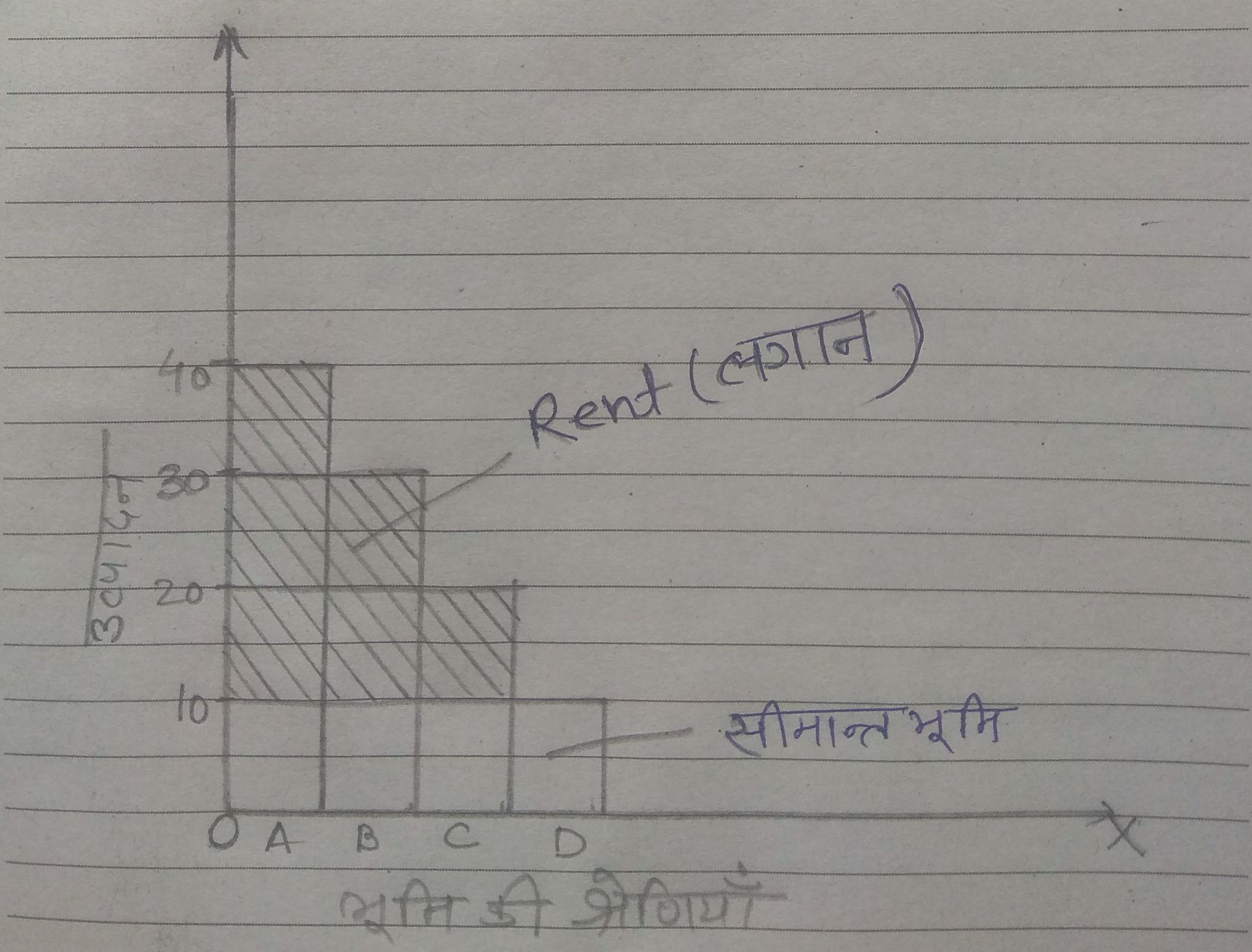

SBI Life INSURANCE | Celebrate life

04

FRIDAY
22
FEBRUARY

रिकार्डो का लगान सिद्धान्त इन बातों पर निर्भर करता है —

(1) लगान भूमि की मौलिक और अविनाशी शक्तियों का प्रतिफल है।

(2) लगान भूमि की सीमितता और उसमें उत्पत्ति-ह्रास नियम क्रियाशील होने का प्रतिफल है।

(3) लगान कीमत में शामिल नहीं किया जाता है।

(4) वास्तविक लगान आर्थिक लगान के बराबर होता है।

(5) सीमान्त भूमि (निम्न कोटि की भूमि) को कोई लगान नहीं मिलता है।

(6) लगान बिना प्रयास के आय है। यह तो जनसंख्या वृद्धि, माँग वृद्धि व कीमत वृद्धि के कारण जन्म लेता है।

x

Amrita Kumari